वैक्सीनेशन : न करें देरी, टीका है जरूरी

"कोरोना की दूसरी लहर ने सीतामढ़ी को दिया एक ऐसा शख्स, जिसने सीतामढ़ी को देश का विकसित जिला बनाने का लिया संकल्प"

आज इस करोना की वैश्विक महामारी में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे नरेंद्र कुमार सीतामढ़ी के युवा वर्ग और आम जनता के लिए प्रेरणा स्रोत बनकर उभरे है उन्होंने इस आपदा में महानगर की सुख-सुविधा को छोड़ कर सीतामढ़ी के गांव-गांव जाकर आज कोरोना के विरुद्ध जंग का ऐलान कर उन्होंने कोरोना से सीतामढ़ी को पूर्णत: विजय दिलाने का संकल्प लिया है. अपनी खुद की सामाजिक संस्था हिंदराईज द्वारा आज पूरे सीतामढ़ी में अपनी कार्य प्रणाली से लोगो के बीच चर्चा में है.

श्री नरेन्द्र कुमार

परिचय

पेशे से चार्टेड अकाउंटेंट नरेन्द्र कुमार मूल रूप से सीतामढ़ी के रून्नीसैदपुर प्रखण्ड अन्तर्गत ओलीपुर, सरचिया पंचायत के निवासी हैं। इनकी प्रारंभिक शिक्षा ओलीपुर एवं मुजफ्फरपुर से हुई, तथा उच्च शिक्षा नई दिल्ली से। हमें किसी भी काम को 360° डिग्री के दृष्टीकोण से देखना होगा तभी हम उसे अपने नियंत्रण में रख सकते हैं। समाज सेवा के क्षेत्र में पूर्ण रूप से प्रवेश नोएडा, दिल्ली समाजसेवा के आस-पास पाकिस्तानी हिन्दी रिफयूजी की दयनिय स्थिति से प्रभावित होकर प्रारम्भ हुआ जो निरन्तर बढ़ता गया और आज नरेन्द्र कुमार शिक्षा, भूखमरी, महिला सशक्तिकरण राष्ट्र आपदा, गरिबी, स्वरोजगार स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

Covidid के समय जब नरेन्द्र कुमार कोरोना पॉजेटिव हो गए और ईश्वर की कृपा से शीघ्र ही स्वस्थ हो गए उसी दौरान उन्होंने प्रण किया कि यथा सम्भव लोगों को मदद पहुंचाया जाए। जब मार्च 2020 से पूरे भारत में लॉकडाउन लगाया गया तो मजदूरो का पलायन होने लगे तब नरेन्द्र कुमार ने मजदूरों के लिए भोजन एवं राशन का प्रबंध करवा कर पुरे नोएडा और दिल्ली में बंटवाया और उन्होंने ये कसम खाया की 2030 तक भुखमरी को भारत से मिटाना है। आत्मनिर्भर सेवा किचन की शुरूआत की जो निरन्तर जारी है। रोजाना 5000 से ज्यादा लोगों को भर पेट खाना दिया जाता है। अच्छे काम के कारण, उत्तर प्रदेश सरकार ने 26 जनवरी 2021 का उनके प्रयास को मान्यता दी है। उनके एनजीओ को एक विशेष प्रशंसा पत्र जारी किया था।

PLESE CONTACT ANY HELP : Mob.9711318000
Facebook-www. facebook.com/narendrakumar4u
Twitter-twitter.com/narendrakumar4u
website : www.narendrakumar.org

तीसरी लहर के लिए हमें रहना होगा तैयार, आपदा में तलाशना होगा अवसर

जब मार्च 2020 में पूरे भारत में लॉकडाउन लगाया गया तो मजदूरों का पलायन और रोजगार के साथ साथ खाने पीने की समस्या से लोग गुजरने लगे. तब नरेंद्र कुमार ने मजदूरों के लिए भोजन एवं राशन का प्रबंध करवाकर पूरे नोएडा और दिल्ली में वितरित करवाया और क्रन्तिकारी सोच का ही नतीजा था जो उन्होंने कसम खाया की 2030 तक भुखमरी को पूरे भारत से मिटाना है आत्मनिर्भर सेवा किचन की शुरुआत की जो निरन्तर जारी है . रोजाना 5000 से ज्यादा लोग को भरपेट खाना दिया जाता है. उनके इस कार्य से प्रभावित होकर दिल्ली में एक साथ कई वर्षो तक साथ में रहने वाले, और नरेंद्र के सामाजिक गुरु और सीतामढ़ी में शिक्षक के रूप में कार्यरत बाल बोध झा ने उन्हें सीतामढ़ी में कुछ विकाश को अंजाम देने का विचार दिया जिसे स्वीकार करते हुए शीघ्र ही डुमरा में आदर्श चौक पर एक मकान लेकर सीतामढ़ी को विकसित करने की योजना पर कार्य प्रारम्भ किया. इस दौरान एक बार फिर पूरा भारत कोरोना के चपेट में आने लगा और सीतामढ़ी में भी कोरोना अपना तांडव दिखने लगा, संयोगवश इस बार नरेंद्र कुमार सीतामढ़ी में ही थे और यहाँ उन्हें भी दवाओं के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ा नहीं मिलने पर बाहर से मंगवाना पड़ा. अब वे सीतामढ़ी को कोरोना मुक्त

करने का प्रण किया. इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर सीतामढ़ी से विचार विमर्श कर कार्य योजना बनाया और डुमरा आदर्श चौक स्थित अपने आवास को पूर्ण रूपेण कोरोना युद्ध कक्ष में बदलकर कोरोना परविजय प्राप्त करने का संकल्प लिया. इन्होने कोरोना से सम्बंधित सभी आवश्यक सामग्रियों को नोएडा से मंगवाया जिनमे 100 से अधिक ऑटोमेटिक सेनेटाइजर मशीन 5000 से ज्यादा पी.पी.ई. किट , विभिन्न प्रकार के मास्क जिनमे एन 95 मास्क, ऑक्सीमीटर, इंफ्रारेडथर्मा मीटर, सभी प्रकार के कोरोना के दवाओं के किट जो भारत सरकार ने चिकित्सको द्वारा प्रेफर किया गया, सेनेटाइजर, घरों को सेनेटाइज करने वाला मशीन एवं दवा, टेस्टकिट ,आदि सभी सामग्रियों को तीन दिनों के अंदर ही सीतामढ़ी मँगवा लिया. चर्चा के दौरान नरेंद्र ने कहा कि हमलोग कोरोना की तीसरी लहर का भी सामना करना होगा, जिस की तैयारी हमें एडवांस में ही करनी चाहिए, साथ ही संस्था ने कोरोना के साथ ही साथ सीतामढ़ी में आने वाले दिनों में बाढ़ की समस्या में भी लोगो को अनुकूल सहायता देने हेतु आवश्यक तैयारी की है. कोरोना से लड़ने के लिए डुमरा आवास को पूर्णतः कोरोना वार रूम सीतामढ़ी का नाम देकर कार्य प्रारम्भ किया जिसमें पुरे कार्य योजना स्वयं बनाकर जनप्रतिनिधियों का डाटा कलेक्टर सभी डाटा को आइभीआर से जोड़कर कॉल सेंटर बनाकर 20 कम्प्यूटरों से सभी जनप्रतिनिधियों और सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्ति उनके क्षेत्रों में कोरोना संदिग्ध लोगो का डाटा लेकर उनसे संपर्क किया जाता है और उन्हें चिकित्सकीय सलाह के साथ दवा का किट मुफ्त में दिया जाता है. संदिग्ध कोरोना केस की शत-प्रतिशत ट्रेसिंग के कार्यक्रम के तहत हमने जन प्रतिनिधियों से संपर्क किया है, जमीनी सर्वेक्षण भी शुरू किया गया है सीतामढ़ी में जीरो कोविड केस हासिल करना डुमरा में वॉररूम स्थापित करने का प्राथमिक उद्देश्य रहा है. सीखना आपके विकास की कुंजी है. अपने करियर की प्रक्रिया में मैंने सह संस्थापक बिट्टू कुमार से बहुत कुछ सीखा है. बिजनेस को डिजिटल बिजनेस में कैसे बदलें. यही कारण था कि एक कमरे वाली सीए फर्म का विस्तार हुआ और इस स्तर तक पर पहुंचे ताकि हम जरूरत मंदों के लिए काम करने में सक्षम हों. मैं अपने ग्राहकों का आभारी हू जिन्होंने भी हमारी सेवाओं का लाभ उठाकर इस सामाजिक लहर में योगदान दिया है. इस महामारी के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए रणनीति का होना जरूरी था. संदिग्ध मामले का पता लगाने और कोविड के बाद के मामले में उपचार प्रदान करने के लिए हमने सफलता पूर्वक वॉर रूम लॉन्च किया है और एक केंद्र से दैनिक आधार पर 500+ जरूरतमंदों की मदद की है. 1. कोरोना पोजेटिव लोगो के घरो को पूर्णतः सेनेटाइज किया जाता है. 2. आने वाले एक दो दिनों में सीतामढ़ी के सभी घरों को पूर्ण सेनेटाइज किया जाना प्रारम्भ हो जायेगा . 3. अब तक सीतामढ़ी के सभी पुलिस थाना, अस्पतालों को सभी प्रकारों की सुरक्षा

सामग्रियों को उपलब्ध करा दिया गया है. 4. जरुरतमंदो के राशन किट, मास्क सेनेटाइजर आदि वितरित किया जा रहा है. 5. कई टीम गांव-गांव जाकर लोगो को कोरोना के प्रति जागरूक करने का काम कर रहा है. 6. चलित वैन से आत्मनिर्भर सेवा किचेन से पूर्णतः हाइजेनिक पका पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है. आगे कुमार ने कहा, सबसे बड़ी प्रेरणा आपके भीतर है और इसलिए यदि आप सोचते हैं कि आप एक लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, यदि आपको लगता है कि आप इसे नहीं कर सकते. आप इसके लिए एक भी प्रयास नहीं करते या बस हार मान लेते हैं, सारी शक्ति हमारे पास है. कृपया कोशिश करें और आलोचना न करें जिसने हमेशा प्रयास करने का विकल्प चुना है वह केवल सफल है. हमें सीतामढ़ी को औद्योगिक विकास के लिए तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है. भारत में एक विकसित जिला बनने के लिए युवाओं को नई नवीन सोच और पथ प्रदर्शक लिंग की आवश्यकता है.

बड़ी सफलता के लिए हमें बड़ा प्रयास करना होगा

मैं अपना रास्ता जानता हूं और लक्ष्य कठिन हैं लेकिन असंभव नहीं. मैंने अपने जीवन में कितनी भी बुरी स्थिति का सामना किया हो, इसके बावजूद मैंने कभी हार नहीं मानी लेकिन अंत अच्छा था और मेरे पास जो लक्ष्य था उसे हासिल किया. कभी भी अकेले काम करने के बारे में न सोचें, अपने दोस्तों के साथ काम करने के लिए एक टीम बनाएं. एक अच्छी टीम आपके उन दोस्तों के साथ हो सकती है जिन्होंने एक साथ पढ़ाई की हो या आपने साथ काम किया हो. बड़े सपने को पूरा करने के लिए अनजान व्यक्ति के साथ कोई बड़ा मील का पत्थर स्थापित करना आपके लिए मुश्किल हो सकता है. मैं हमेशा एक कठिन कार्य का नेतृत्व करने के लिए अपने मित्र को चुनता रहा हूं. आपलोगों को बाजार से ला सकते हैं लेकिन वफादारी नहीं ला सकते. इसलिए कुछ बड़ा हासिल करने के लिए किसी मित्र के साथ काम करना सबसे अच्छा संयोजन है.

आपकी सफलता की कुंजी क्या है?

आज सामूहिक रूप से दिखाई देने वाले सामाजिक योगदान को परिवार के सदस्यों सहित और कई मित्रों द्वारा समर्थित किया गया है. मैं अपने साथ ऐसी उत्साही टीम के लिए भगवान का बहुत शुक्रगुजार हू जो मेरे दोस्त और परिवार रहे हैं. हमने पिछले कुछ वर्षों में समाज के लिए जो कुछ भी किया है, वह हमारी टीम की सामूहिक मेहनत के कारण हुआ है. मैं गायत्री कुमारी, बिट्टू कुमार, अभिषेक कुमार, मोनिशा चौधरी, मयंक बजाज, सुमन झा, ओमप्रकाश, वरुण शर्मा, मनीष मिश्रा, अमरेंद्र कुमार, मुकेश यादव, मनोज सिंह, संजीत यादव, विनय शंकर, प्रभु तिवारी और 100 से ज्यादा वे लोग हैं जिन्होंने मुझे हमेशा समाज के लिए काम करने के लिए खुले दिल से सराहना और मेरे साथ खड़े रहे. मेरे लोग, परिवार और मित्र मेरी वास्तविक कमाई और वास्तविक जीवन भर की संपति हैं. जो व्यवसाय की देखभाल कर रहे हैं अच्छी आय के बिना आप समाज के लिए योगदान नहीं कर पाएंगे, हमने समाज के लिए अच्छा करने के लिए अच्छा व्यवसाय किया, हमारे फार्मूले ने समाज को वापस देने का अच्छा काम किया है जिसे मदद की जारूरत है. हम यहां सीतामढ़ी की बेहतरी और कल्याण के लिए मदद करने और काम करने के लिए हैं. भविष्य में हम पंचायत स्तर पर स्वय सेवक स्थापित करेंगे ताकि हम ग्राम पंचायत के साथ काम कर सकें और विकास प्रक्रिया में भ्रष्टाचार को कम कर सकें.

आत्मनिर्भर

आत्मनिर्भर बिहार सपना नहीं है, मैं इसके लिए काम करूंगा - मेरा लक्ष्य आत्मनिर्भर बिहार है जिसकी शुरुआत मैं अपने जन्म स्थान सीतामढ़ी से करूंगा. मेरा लक्ष्य है कि सीतामढ़ी में सभी प्रकार के आधुनिक और तकनिकी सुविधाओं से युक्त रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा. मैं आत्मनिर्भर पंचायत के लिए काम कर रहा हूं, जिसकी शुरुआत मैने अपने गांव से की है - अपने गाँव में बालिकाओं के लिए तकनिकी शिक्षण संस्थान और आधुनिक सुविधाओं से युक्त हॉस्पिटल का निर्माण प्रारम्भ है जो शीघ्र हीं प्रारम्भ हो जायेगा. आने वाले दिनों में सीतामढ़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी का कॉल सेंटर खुलवाया जायेगा जिसमे बहुत सारे युवाओं को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा . जिससे सीतामढ़ी आत्मनिर्भर सीतामढ़ी बनने की और अग्रसर होगा. आत्मनिर्भर सीतामढ़ी के लिए काम करने के लिए सीतामढ़ी में युवाओं को व्यावसायिक अध्ययन प्रदान करना महत्वपूर्ण है और आगे बढ़ने के लिए कॉल सेंटर, आई टी कंपनियों को शुरू करने का हमारा प्रयास होगा. मेरा मुख्य ध्यान जिले में महिलाओं को सशक्त बनाना और लड़कों को व्यवसाय और नौकरी उन्मुख प्रशिक्षण सुनिश्चित करना है. एक एनजीओ सरकारी कार्यक्रमों को समाज के अंतिम वर्ग तक पहुंचाने में सरकार के साथ काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता से आधी समस्या का समाधान हो सकता है और यह समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को भी खत्म कर सकता है.

सीतामढ़ी की समस्याओं का समाधान चाहिए

आज पिछले कुछ महीनों से जब कोरोना की महामारी के कारण पूरा विश्व आर्थिक संकट से जूझ रहा है. सीतामढ़ी जैसा पिछड़ा हुआ जिला भी इससे अछूता नहीं रहा है. इस महामारी में जहाँ सम्पूर्ण भारत से मजदूरों का पलायन हो रहा है, इस पलायन का दंश सीतामढ़ी के मजदूरों एवं श्रमिकों को भी झेलना पड़ा है , सरकार की मजदूरों एवं श्रमिकों से संबंधित सभी योजनाएं कागज में ही बंद रह गयी. सीतामढ़ी बिहार के वैसे जिला के अंतर्गत आता है जहाँ साल के अधिकांश महीना प्राकृतिक आपदा में ही निकल जाता है, ऐसे में कोई ठोस कार्य योजना के आभाव में भारत के अन्य जिलों की अपेक्षा सीतामढ़ी निरन्तर पिछड़ता जा रहा है . अब समय आ गया है कि इन सभी समस्याओ को दरकिनार करते हुए एक ऐसी कार्य योजना तैयार हो जिससे सीतामढ़ी भी भारत के अग्रणी जिला में शामिल हो सके. इसके लिए यहाँ के समस्याओं को चिन्हित किया जाना आवश्यक है। 1. टेक्निकल बेसिक शिक्षा. 2. बालिकाओं के लिए रोजगार उन्मुख शिक्षा. 3. अंग्रेजी भाषा का कौशल और कंप्यूटर प्रशिक्षण का उन्नत स्तर. 4. बेरोजगारी के मुद्दे से निपटने के लिए वैश्विक प्लेसमेंट के लिए एक प्रतिष्ठान की आवश्यकता है. 5. कृषि का आधुनिकीकरण और कृषि की आधुनिक पद्धति के बारे में प्रशिक्षण. 6. जिले में सूक्ष्म उद्योग की स्थापना और जिले में स्थानीय निर्मित उत्पाद का अधिकतम उपयोग.

7. महामारी से लड़ने के लिए सभी को स्वास्थ्य सुविधा. बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, इसके लिये सरकारी स्वस्थ्य केंद्रों का बेहतर मोनेटरिंग. सीतामढ़ी में उद्योग विभाग को अपनी सजगता दिखानी होगी और वैसे लोगो को पंजीकृत करना होगा जो वास्तव में उद्योग लगाना कहते है और एक निश्चित समय के अंतराल में नहीं बनाने पर उनका पंजीयन निरस्त कर दे. सीतामढ़ी आज भारत के हर क्षेत्रों से एकीकृत रेलनेट वर्क से जुड़ गया है जिससे यहाँ कोई भी उद्योग लगाया जा सकता है. सीतामढ़ी में एक अच्छे तकनिकी विश्वविद्यालय की आवश्यकता है जिससे यह जिला अपने मानव संसाधन का सही उपयोग कर सके.

Advt.

Scanned with CamScanner